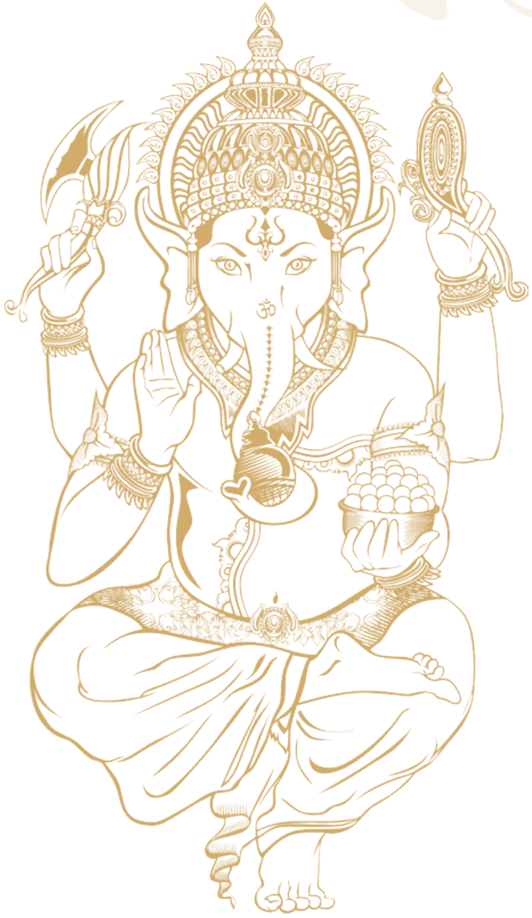

Mr.Rajnish Mathur

03 Jun 1982

04:30 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 119307802

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**03/06/1982**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**16:30:00 घंटे**
इष्ट	27:46:17 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	16:08:52 घंटे
वेलान्तर	00:02:00 घंटे
साम्पातिक काल	08:55:11 घंटे
सूर्योदय	05:23:29 घंटे
सूर्यास्त	19:15:08 घंटे
दिनमान	13:51:40 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	18:56:13 वृष
लग्न के अंश	14:35:08 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**तुला - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**स्वाति - 3**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	परिघ
करण	कौलव
गण	देव
योनि	महिष
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मृग
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	रो-रोहित
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	14:35:08	309:33:37	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	केतु	---
सूर्य			वृष	18:56:13	00:57:27	रोहिणी	3	4	शुक्र	चंद्र	बुध	शत्रु राशि
चंद्र			तुला	13:27:34	12:13:58	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	बुध	सम राशि
मंगल			कन्या	09:44:13	00:14:49	उ०फाल्गुनी	4	12	बुध	सूर्य	शुक्र	शत्रु राशि
बुध	व	अ	वृष	16:27:20	00:32:59	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	शनि	मित्र राशि
गुरु	व		तुला	07:42:22	00:04:14	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	राहु	शत्रु राशि
शुक्र			मेष	10:32:42	01:09:40	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	शनि	सम राशि
शनि	व		कन्या	22:04:36	00:01:28	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	शुक्र	मित्र राशि
राहु	व		मिथु	20:05:05	00:04:55	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	उच्च राशि
केतु	व		धनु	20:05:05	00:04:55	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	राहु	उच्च राशि
हर्ष	व		वृश्चि	08:35:18	00:02:26	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	शुक्र	---
नेप	व		धनु	02:25:42	00:01:34	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	---
प्लूटो	व		तुला	00:46:17	00:00:58	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	बुध	---
दशम भाव			कर्क	17:43:31	--	आश्लेषा	--	9	चंद्र	बुध	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:36:24

लग्न-चलित

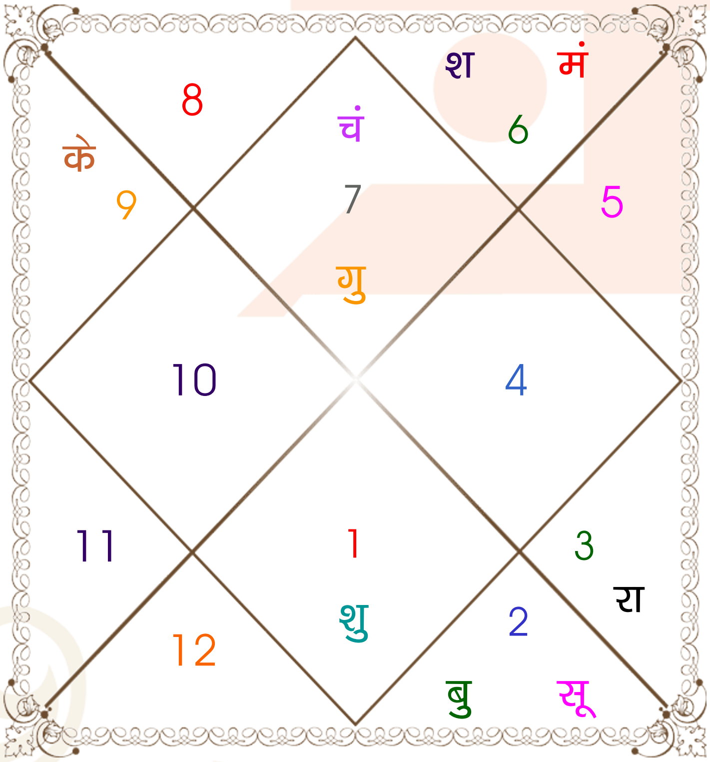

चन्द्र कुंडली

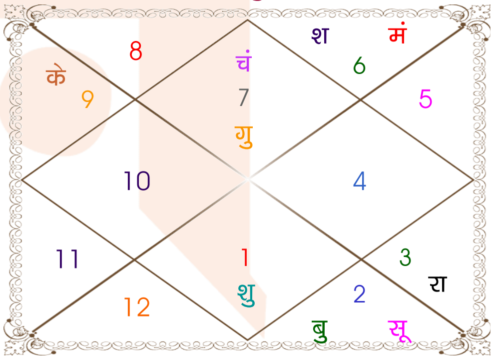

नवमांश कुंडली

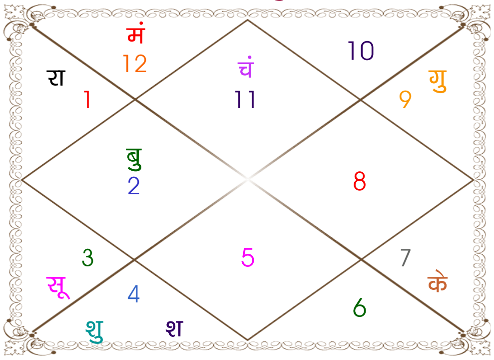

Narayan Jyotish Sanathan

+919868145834

mishrashivkant@gmail.com

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 8 वर्ष 9 मास 29 दिन

राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष
03/06/1982	02/04/1991	02/04/2007	02/04/2026	02/04/2043
02/04/1991	02/04/2007	02/04/2026	02/04/2043	02/04/2050
00/00/0000	गुरु 21/05/1993	शनि 05/04/2010	बुध 29/08/2028	केतु 29/08/2043
00/00/0000	शनि 02/12/1995	बुध 13/12/2012	केतु 26/08/2029	शुक्र 29/10/2044
03/06/1982	बुध 09/03/1998	केतु 22/01/2014	शुक्र 26/06/2032	सूर्य 05/03/2045
बुध 02/10/1983	केतु 13/02/1999	शुक्र 24/03/2017	सूर्य 02/05/2033	चंद्र 04/10/2045
केतु 19/10/1984	शुक्र 14/10/2001	सूर्य 06/03/2018	चंद्र 02/10/2034	मंगल 03/03/2046
शुक्र 20/10/1987	सूर्य 02/08/2002	चंद्र 05/10/2019	मंगल 29/09/2035	राहु 21/03/2047
सूर्य 13/09/1988	चंद्र 02/12/2003	मंगल 13/11/2020	राहु 17/04/2038	गुरु 25/02/2048
चंद्र 15/03/1990	मंगल 07/11/2004	राहु 20/09/2023	गुरु 23/07/2040	शनि 05/04/2049
मंगल 02/04/1991	राहु 02/04/2007	गुरु 02/04/2026	शनि 02/04/2043	बुध 02/04/2050

शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष
02/04/2050	02/04/2070	02/04/2076	02/04/2086	02/04/2093
02/04/2070	02/04/2076	02/04/2086	02/04/2093	00/00/0000
शुक्र 02/08/2053	सूर्य 21/07/2070	चंद्र 31/01/2077	मंगल 29/08/2086	राहु 14/12/2095
सूर्य 02/08/2054	चंद्र 19/01/2071	मंगल 01/09/2077	राहु 17/09/2087	गुरु 09/05/2098
चंद्र 02/04/2056	मंगल 27/05/2071	राहु 03/03/2079	गुरु 23/08/2088	शनि 16/03/2101
मंगल 02/06/2057	राहु 20/04/2072	गुरु 02/07/2080	शनि 01/10/2089	बुध 04/06/2102
राहु 01/06/2060	गुरु 06/02/2073	शनि 31/01/2082	बुध 29/09/2090	00/00/0000
गुरु 31/01/2063	शनि 19/01/2074	बुध 03/07/2083	केतु 25/02/2091	00/00/0000
शनि 02/04/2066	बुध 25/11/2074	केतु 01/02/2084	शुक्र 26/04/2092	00/00/0000
बुध 31/01/2069	केतु 02/04/2075	शुक्र 01/10/2085	सूर्य 01/09/2092	00/00/0000
केतु 02/04/2070	शुक्र 02/04/2076	सूर्य 02/04/2086	चंद्र 02/04/2093	00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 8 वर्ष 10 मा 11 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के तृतीय चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर कुंभ राशि का नवमांश एवं कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित था। तुला प्रभावित स्वरूप के अनुसार अनुकूल जन्म बिंदु यह सुनिश्चित करता है कि आपका जीवन उत्तम फलदायी रहेगा। साथ-साथ यह भी संकेत प्राप्त हो रहा है कि स्वयं ही कोमल भावनाओं से तप्त पथ पर चल कर मुसीबतों का सामना करना पड़ेगा।

स्वाती नक्षत्र एवं तुला राशि यह निर्देशित करता है कि आप स्वास्थ्य धन एवं प्रसन्नता के दृष्टि से सौभाग्यशाली है। परंतु कुंभ नवमांशदिक प्रभाव से यह दृश्य हो रहा है कि आप स्वभाव से डरपोक एवं द्विस्वभात्मक विचार के प्राणी हैं। यह आपकी प्रतिभा के समतुल्य नहीं है। इससे आपका साहस विश्वसनीयता, छवि, सत्यनिष्ठा एवं न्याय प्रियता में समानता नहीं हो रही है। आपको इस संभव नकारात्मक प्रवृति पर सफलता प्राप्त करनी चाहिए।

ऐसा हो सकता है कि आपको व्यक्तिगत रूप से अपनी पत्नी के प्रति श्रद्धावान होकर उसको प्रसन्न रखने के लिए वासनामय प्यार दे सके। ऐसी भी संभावना है कि आप अपने गुण के अनुरूप अपनी जीवन संगिनी को संतुष्ट करने के लिए किसी भी प्रकार से सामंजस्य स्थापित कर ले। परंतु जब ऐसा प्रदर्शन करने का मौका मिले तो वासनात्मक ज्यादती किसी भी विपरीत योनि के साथ करने की भावना से मिथ्याचारी प्रदर्शन कर के आप अंदर से कुछ और बाहर से कुछ और हैं ऐसा प्रमाण प्रस्तुत कर दे। आप सामान्यतः विपरीत योनि के प्रति विख्यात प्राणी है। आप प्रेम प्रसंग एवं वासनात्मक तृप्ति हेतु कामातुर होकर संतुष्टि प्राप्ति कर सकते हैं। इस प्रकार की प्रवृति आपको अन्दर से कुछ और तथा बाहर से कुछ और रूप में प्रस्तुत करता है।

यह बहुत उत्तम हो कि आप इस प्रकार के प्रसंग का निषेध कर अपनी संगिनी के प्रति विश्वासपात्र बनें। इस प्रकार की सदभावना पूर्ण कार्य कलाप से आपकी पारिवारिक व्यवस्था सुदृढ़ हों तथा आपकी समझदार पत्नी एवं सुंदर संतान युक्त परिवार में प्रसन्नता का सृजन हो जाए।

आपका जीवन सामान्यतः आपके कठिन श्रम युक्त एवं आपकी कुशाग्र बुद्धि के कारण उत्तम रहेगा। क्योंकि आप अत्यंत धन व्यय कर अपने परिवार को व्यवस्थित रखेंगे। आपके जीवन के इस वर्ष की अवस्था से 35 वर्ष की आयु तक का समय पूर्ण रूपेण धनमात्र के लिए महत्वपूर्ण रहेंगे। जिस वजह से आप मुक्त हस्त से धन का व्यय नहीं करेगे। बल्कि आप सदैव भवन को आकर्षित बनाने में आधुनिक साज शय्याओं एवं कलात्मक ढंग से सजाने पर भी धन का व्यय करेंगे। अन्य शब्दों में आपके आय का आंशिक राशि आपके सम्मिलित होने कारण व्यय होगा। अंत में परिणाम यह होगा कि आपकी वृद्धा अवस्था में धन का अभाव हो जाएगा तथा आपके पास मात्र काम चलाऊ धन राशि शेष रह जाएगा। आपकों अपनी वृद्धावस्था के लिए सदैव ही स्वास्थ्य संबंधी कुछ सावधानी बरतनी चाहिए। आप निःसंदेह उत्तम स्वास्थ्य का आनंद हर परिस्थिति में अच्छी प्रकार से प्राप्त करेंगे। लेकिन कुछ वर्षों के पश्चात्

नाजुक परिस्थिति में कतिपय रोग यथा चर्म रोग, तथा मूत्र संबंधी रोगादि से प्रभावित होने की आशंका है। अतः आपको इन रोगों के प्रति पूर्व ही सावधानी बरतनी चाहिए।

आप अपने कार्य-कलाप में उन्नति हेतु संबंधित अनुकूल अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक उपयुक्त है। परंतु अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक आपके लिए अनुपयुक्त एवं प्रतिकूल हैं। अस्तु अनुपयुक्त अंको का व्यवहार न करें।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।